

Post Graduate Government College Sector-11,
Chandigarh

LITERARY SOCIETY



MEMBERS

Geetanjali Kalra

Vijaya Singh

Poonam

Anuradha Bhattacharyya

Shalini Wadhwa

Jatinder Singh

Parkash Singh

Sandeep Singh

ACTIVITIES OF LITERARY SOCIETY

Essay Writing

Poetry

Poetry Recitation

Short Story Writing

Handwriting Competition

Debate

Declamation

Films

Slogan Writing

Poster Making

Paper Presentation



OUR ACHIEVERS, 2017-19



Navjot

BSc III



P. Ningombam

BA III

OUR ACHIEVERS, 2021



Subham Verma

BA III



Satyabama Hakhoo

BA III



Pawan Sharma & Rizwan

BA II

OUR ACHIEVERS, 2022



Aanchal
MA II



Pawan Sharma
BA III



Payal
BA II

PRIZE WINNERS

- **Poireinganba Ningombam** of BA English Hons won Second Prize in Short Story Writing Competition Panjab University Zonal Youth and Heritage Festival, **2017**
- He won First Position in Flash Fiction Writing Competition at DAV College, Sector 10, **2019**
- **Navjot** of BSc III won First Prize in Poetry Writing Competition Panjab University Zonal Youth and Heritage Festival, **2018**
- She also won the Second Prize in in Poetry Writing Competition Panjab University Inter-zonal Youth and Heritage Festival, held at Dasmesh Girls College of Education, Muktsar, Punjab, **2018**
- **Niharika Rai** of BSc III won Second Prize in Essay Writing Competition Panjab University and Heritage Festival, **2018**
- **Subham Verma and Nitika as a team** attended the Poetry Writing Workshop held in MDSD Girls College, Ambala...
- And won Consolation Prize in Poetry Recitation Competition on 20 Feb, **2021**
- **Kanika** of BSc II won the Second Prize in Hindi Handwriting Competition at the Zonal Youth Festival, **2021**
- She also won the Second Prize in Hindi Handwriting Competition in the Panjab University Inter- Zonal Youth and Heritage Festival organised by A.S. College, Khanna in **2021**
- **Pragati Thakur** of BCom II won the Second Prize in English Handwriting Competition at the Zonal Youth Festival, **2021**


PRIZE WINNERS

- **Satyabama Hakhoo** of BA English Hons won Second Prize in Poster Making Competition organized by GCCBA-50 in **2020**
- First Prize in Inter College Poetry Recitation Competition on Independence Day, **2020**
- Second Prize in Inter College Poster Making Competition on Independence Day, **2020**
- First Prize in Poster Making Competition on Women Empowerment, Festejo Literaria, PGGC-11, **2020**
- First Prize in Calligraphy Writing Competition On Women Empowerment Festejo Literaria, PGGC-11, **2020**
- First Position in English Handwriting Competition in the Panjab University Zonal Youth and Heritage Festival in **2021**
- Third Position in English Handwriting Competition in the Panjab University Inter- Zonal Youth and Heritage Festival organised by A.S. College, Khanna in **2021**
- Second Position in an Inter-College Declamation Competition organized by Department of Political Science & Debating Club of MCM in **2021**
- is an Executive Member of ELC certificate, **2022**

PRIZE WINNERS

- In 2022, Pawan Sharma of BA won Third Prize in Poetry recitation in the Zonal Youth Festival,
- First all over trophy in Inter College Poetry Recitation Competition held at MDSD Girls College, Haryana
- Second Prize in self written and directed psycho-drama in inter college competition "zeitgeist" at Post Graduate Government College For Girls , Sector-11
- First Prize in Poem recitation in Gender Equity Society
- First Prize in Poem recitation in the Hindi Department
- In 2021, he won First Prize in the inter college Slogan Writing and poster making competition held at Shri Guru Gobind Singh College, Sector 26 Chandigarh
- First Prize in Poetry Recitation Competition held at Pathankot College of Education
- First Prize in Open Mic Competition in English Department
- First Prize in Poetry Recitation competition in Punjabi Department
- First Prize in talent hunt in Hindi Department
- First Prize in slogan writing in Political Science Department
- Second Prize in Project on Waste Management Competition

PRIZE WINNERS

- **Raj** of BA II, Functional English has won a Prize for Volunteering in the Indus Valley Film Festival held at Tagore Theatre, Chandigarh from 26th September to 2nd October, **2022**
 - He has been honoured with the Selection for Best Documentary Short Film at the CU MEDIA FEST 2022 held at Chandigarh University on 4 November 2022
 - **Aanchal** of MA II English has won the Third Prize in Essay Writing at the Zonal Youth Festival, **2022**
 - **Harwinder Singh** of MA I English has won the Third Prize in Short Story Writing at the Zonal Youth Festival, **2022**
 - **Payal** of BA II has won the Second Prize in English Handwriting Competition at the Zonal Youth Festival, **2022**
 - **Rizwan** has won a trophy in Inter College Poetry Recitation Competition held at MDSD Girls College, Haryana, **2022**
- 



Zonal Youth Festival, 2022



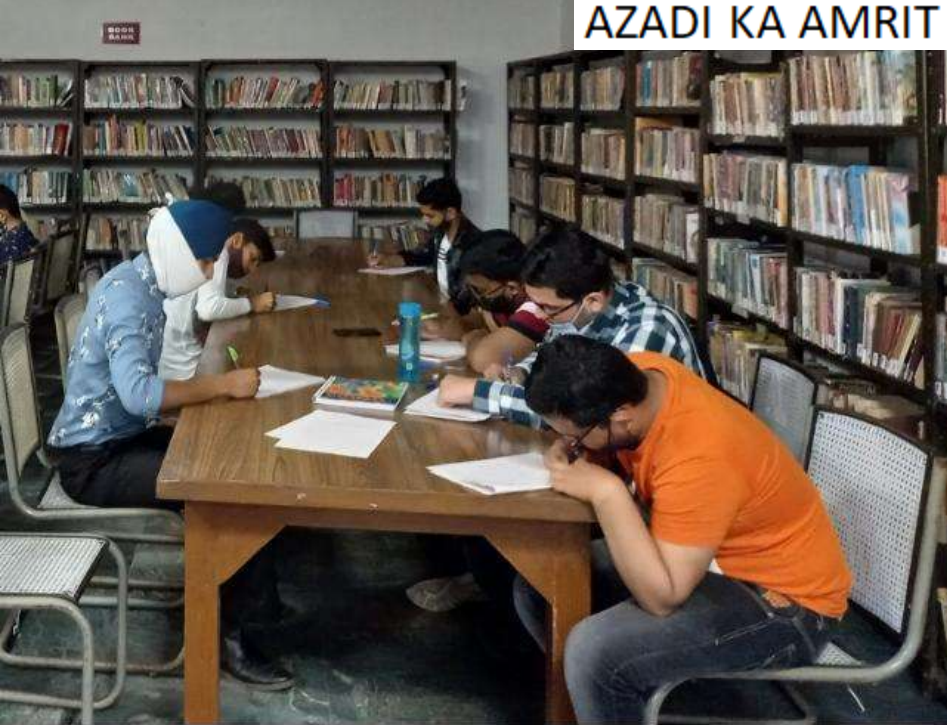


हिंदी लेखन कार्यशाला

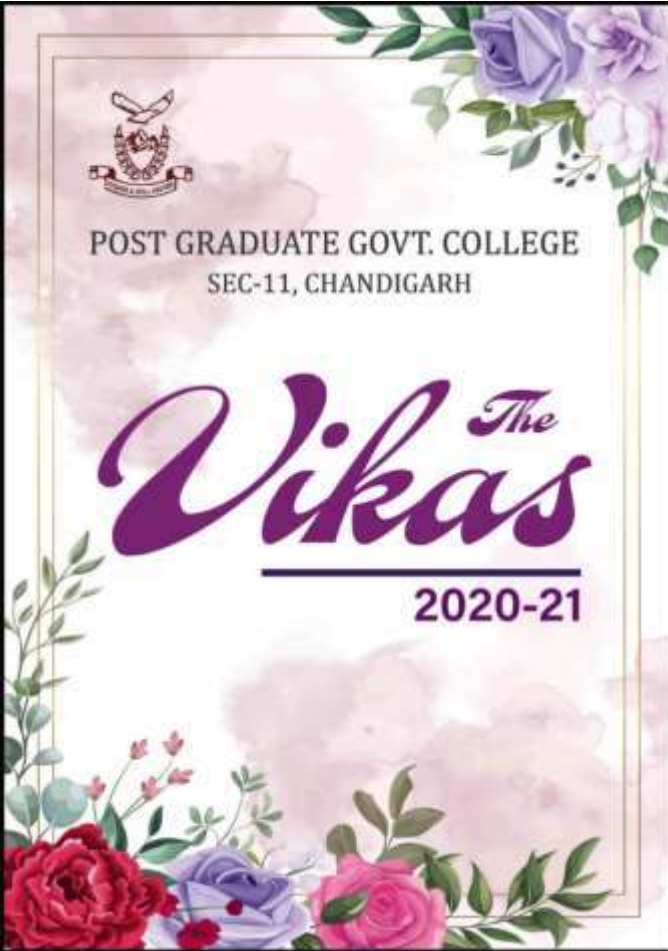




AZADI KA AMRIT MAHOTSAV, 2022



SLOGANS, POSTERS, POEMS



एक सैनिक की साधा
(पुस्तक की शीर्षक)

जिस ड्रम में ड्रम यह सोच रहे होते हैं
कि क्या करना है...
कैसे करना है...
कब करना है...
तब एक सैनिक
सादा अभ्यास में जग होता है:

कोड़े पुराने घासा में,
तो कोड़े को बर से सफल होत है,
कछ दिरसे लौकी की लसल में,
तो कोड़े बसिलसल किलसल की खलिर
सौजन को पुनते है।

अब खुशी नहीं मिलती
ड्रम मेंही करी को देखकर
पडकन मेरी बड जाती है
करी सारी को देखकर।

एक सैनिक बजना आसल नहीं
करी लपकन से गुजरना पडता है,
खुद को भूम, देश के हित में
जीता-जगत है।

आपदाओं में सफल भगवान तो आते नहीं हैं,
परंतु परीक्षाओं के बाद का अकाश बस आते हैं,
और हमको सफल से उबार जाते हैं,
खतरा तो हमको भी रहता है
पर सैनिक के लिए
देश सहीपरि लख
सिके एक ही धर्म -
इसमियाल में भरोसा होता है।

अधिकल किलती भी आप
ही पीछे नहीं हट सकला,
उठ पाई या बादल फटे
सारी करते या जलल साधल करे,
उसकी तो दल-दल में सप्ट सुरक्षा का लक्ष्य है।

जिस अलघासल में ड्रम
कछ पल के लिए भी खर नहीं सकनो,
उंसमें सैनिक अपना पूरा जीवन जो सेल है।
बकी-गुड़ी लीटी खलकर
दुर्गम हालाती में बटा रहता है।

ये सैनिक है -
सब सह सकला है
पर जब आप बात देल पर

तो दुखल की पुरती तक को
खरमें कर सकला है।

जिसमें होल है जिसल परीनाद का
को ही सेल में आते है,
कैते तो एक ही के होते है,
पर दिरती में सबके बस जाते है।

जब जगत है सैनिक जग पे तो
पराकामी को अलघासल में रख जाता है
बडन की सखी को खरने में
सौ की लौकी को जल कर जात है
पर, एक पल के लिए भी
धीरज उलका जौनल नहीं है
अलघासल के बखर में वो कैसल नहीं है।

अरे, वो सह जाता है - वो बट जाता है,
अपने देश की खलिर बिन सोचो भी
दुखल से सिट जाता है।
सौकी अल जग, सह बटे...
कोड़े फके उसे पडती नहीं है,
को तो गुलधन-गुलधे की लखतु में भी
जग के हौसल बडल देता है
करी जल देकर तो कबी
जल सेकर परधन खर देल है।

ड्रम जग में आज नहीं तो
कल सबको विटा होत है,
सबका एक ल एक दिन जगत निकलना है,
सबको लख काई में सिमटकर तो
हीर सैनिक को दिरने में विपटकर जल है।
अगिन लख में लोपो की
सलामी के साथ पडताचो में किलीन होत है,
उते तो देश के लघाषोष को
सुनते हुए अल होत है।

जय हिंद। जय भारत।

शुभम वसो
बी. ए. II



ਬਚਪਨ ਤੇ ਵਿਰਸਾ

ਜਦੋਂ ਕੱਠੇ ਰਲ ਕੇ ਖੇਡਦੇ ਸੀ,
ਉਹ ਬਚਪਨ ਦੇ ਦਿਨ ਵੀ ਬੜੇ ਸੁਨਿਹਰੇ ਸੀ,
ਅੱਜ ਦੀ ਜਿੰਦਗੀ ਤੋਂ ਅਲੱਗ ਜਿੰਦਗੀ ਸੀ,
ਖੁਸ਼ੀਆਂ ਤੇ ਸ਼ਰਾਰਤਾ ਦੇ ਸਮੁੰਦਰ ਗਹਿਰੇ ਸੀ,
ਉਹ ਬਚਪਨ ਦੇ ਦਿਨਾਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਖੋਹ ਨੀ ਸਕਦਾ,
ਜਵਾਨੀ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀ ਹੁੰਦੀ ਪਰ ਬਚਪਨ ਦੇ ਦਿਨਾਂ ਵਰਗਾ ਦਿਨ ਕੋਈ ਹੋ ਨੀ ਸਕਦਾ !!

ਉਹ ਬਚਪਨ ਦੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ ਦਾਦੀ ਕੋਲੇ ਸੁਣੀ ਰਾਜੇ ਰਾਣੀ ਦੀ ਕਹਾਣੀ,,
ਦਾਦੀ ਨੇ ਕਹਿਣਾ ਇੱਕ ਹੁੰਦਾ ਸੀ ਰਾਜਾ ਇੱਕ ਹੁੰਦੀ ਸੀ ਰਾਣੀ,,
ਸੁਣਦੇ ਸੁਣਦੇ ਦਾਦੀ ਦੀਆਂ ਬਾਤਾਂ ਸੁਪਨਿਆਂ ਵਿੱਚ ਖੋਹ ਜਾਣਾ,,
ਉਹ ਠੰਡੀ ਰੁੱਖਾਂ ਦੀ ਹਵਾ ਥੱਲੇ ਪਤਾ ਨਾ ਲੱਗਦਾ ਕਦੋਂ ਸਵੇਰਾ ਹੋ ਜਾਣਾ!!

ਜੇ ਬਚਪਨ ਵਿੱਚ ਦੇਖੇ ਮੇਲੇ ਦਾ ਵੀ ਅਲੱਗ ਨਜ਼ਾਰਾ ਸੀ,,
ਦਿਲ ਨੂੰ ਕਦੇ ਉਦਾਸ ਨਾ ਕੀਤਾ ਚਾਹੇ ਦੁੱਖ ਹਜ਼ਾਰਾ ਸੀ,,
ਪਿਆਰ ਤੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਵੀ ਕਹਿੰਦੇ ਉਦੋਂ ਪੱਕੇ ਸੀ,,
ਜਦੋਂ ਘਰ ਕੱਚੇ ਤੇ ਲੋਕ ਸੱਚੇ ਸੀ,,
ਇਹ ਗੱਲ ਵੀ ਕੋਈ ਸੱਚੀ ਕਿਹ ਗਿਆ,,
ਅੱਜ ਕੱਲ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਦਾ ਬਚਪਨ ਸਿਰਫ ਫੋਨਾਂ ਜੋਗਾ ਹੀ ਰਿਹ ਗਿਆ!!

ਇਹ ਵਿਰਸੇ ਤੇ ਬਚਪਨ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਯਾਦ ਕਰਕੇ ਦਿਲ ਹੋਕਾ ਤਰਦਾ ਏ,,
ਦੇਸਤ ਤਾ ਏ ਦੂਰ ਦੀ ਗੱਲ ਅੱਜ ਕੱਲ ਤਾ ਲੋਕਾਂ ਦਾ ਮਾਂ - ਪਿਉ ਬਿਨਾ ਵੀ ਸਰਦਾ ਏ,,
ਮੇਡਰਨ ਜਮਾਨੇ ਵਿੱਚ ਬੱਚਿਆਂ ਦਾ ਬਚਪਨ ਤੇ ਵਿਰਸਾ ਰੁਲ ਗਿਆ,,
ਧਾਰਮਿਕ ਸਥਾਨਾਂ ਦੀ ਥਾਂ ਅੱਜ ਕੱਲ ਕਲੱਬ ਖੁੱਲ ਗਿਆ,,
ਪੈਸੇ ਤੇ ਛੋਟੇ ਕੱਪੜਿਆਂ ਨਾਲ ਅੱਜ ਕੱਲ ਸਭ ਦੀ ਰੁਹ ਹੋ ਖਿੱਲਦੀ,,
ਪਰ ਗੱਲ ਤਾਂ ਸੱਚੀ ਇਹ ਆ ਬਚਪਨ ਤੇ ਪੁਰਾਣੇ ਵਿਰਸੇ ਵਰਗੀ ਜਿੰਦਗੀ ਦੁਬਾਰਾ ਨਹੀਂ ਮਿਲਨੀ!!

ਲੱਛਮੀ ਕੌਰ
ਬੀ.ਬੀ.ਏ. ਭਾਗ ਪਹਿਲਾ



